



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 741]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 26, 2004/भाद्र 4, 1926

No. 741]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 26, 2004/BHADRA 4, 1926

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 17 अगस्त, 2004

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (बाजार सहभागियों के केंद्रीय डाटाबेस) विनियम, 2003 के विनियम 5क के
उप-विनियम (1) के अधीन अधिसूचना

का.आ. 954(अ)—यतः तारीख 25 नवम्बर 2003 की फा. सं. भाप्रविबो/विधि/03/22/75, तारीख 9 दिसम्बर 2003 की फा. सं. भाप्रविबो/विधि/03/23142, तारीख 5 अप्रैल, 2004 की सं. का.आ. 467(अ) और तारीख 30 जुलाई, 2004 की सं. का.आ. 884(अ) की अधिसूचनाओं द्वारा, कतिपय विनिर्दिष्ट मध्यवर्तियों और उनके संबंधित व्यक्तियों से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (बाजार सहभागियों के केंद्रीय डाटाबेस) विनियम, 2003 (इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विनियमों' के रूप में निर्दिष्ट) के विनियम 4 के उप-विनियम (1) के अधीन, यथास्थिति, 31 मार्च, 2004 (जिसे बाद में बढ़ाकर 31 जून, 2004 कर दिया गया था) या 31 दिसम्बर, 2004 के भीतर विशिष्ट पहचान संख्याएँ अभिप्राप्त करना अपेक्षित था;

और यतः बोर्ड को असम्यक् कष्ट के बारे में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं जो विनिर्दिष्ट मध्यवर्तियों के संबंधित व्यक्तियों उनके संप्रवर्तक या निदेशक होते हुए जो भारत के बाहर निवासी हैं की बाबत उपर्युक्त समय सीमाओं की कड़ी अनुपालना पर जोर देने से कारित हो सकेंगे। अब इसलिए उक्त विनियमों के विनियम 5क के उप-विनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि वास्तविक कष्ट का निवारण करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है, बोर्ड एतद्वारा '30 जून, 2005' विनिर्दिष्ट करता है, बढ़ायी गई तारीख के रूप में जिसके भीतर ऐसे संप्रवर्तक या विनिर्दिष्ट मध्यवर्तियों के निदेशक, जो भारत के बाहर निवासी हैं, विशिष्ट पहचान संख्याएँ अभिप्राप्त करेंगे।

[फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/17959/2004]

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 17th August, 2004

Notification under Sub-regulation (1) of Regulation 5A of the Securities and Exchange Board of India (Central Database of Market Participants) Regulations, 2003

S.O. 954(E).—Whereas vide Notifications F. No. SEBI/LE/03/22/75 dated 25th November, 2003, F. No. SEBI/LE/0323142 dated 9th December, 2003, S.O. No. 467(E) dated 5th April, 2004, and S.O. No. 884(E) dated 30th July, 2004, certain

specified intermediaries and their related persons were required to obtain unique identification numbers under Sub-regulation (1) of Regulation 4 of the Securities and Exchange Board of India (Central Database of Market Participants) Regulations, 2003 (hereinafter referred to as 'the said Regulations') within the 31st day of March, 2004 (which was later extended to the 31st day of June, 2004) or the 31st day of December, 2004, as the case may be;

And Whereas the Board has received representations about undue hardship which may be caused by insistence on strict compliance with the above time limits in respect of related persons of specified intermediaries being their promoters or directors who are resident outside India;

Now Therefore in exercise of the powers conferred by Sub-regulation (1) of Regulation 5A of the said Regulations and after having been satisfied that it is necessary to do so in order to prevent genuine hardship, the Board hereby specifies the '30th day of June, 2005', as the extended date within which such promoters or directors of specified intermediaries, as are resident outside India, shall obtain unique identification numbers.

[F. No. SEBI/LAD/DOP/17959/2004]

G. N. BAJPAI, Chairman